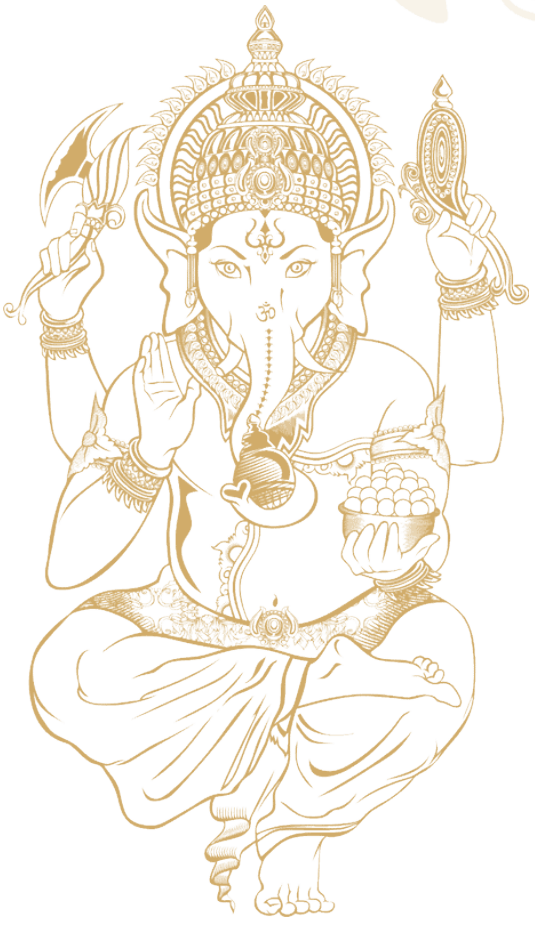

Naresh

16 Oct 2007

04:00 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121135502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/10/2007**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	53:12:42 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:15:40 घंटे
वेलान्तर	00:14:06 घंटे
साम्पातिक काल	04:51:57 घंटे
सूर्योदय	06:42:55 घंटे
सूर्यास्त	18:17:18 घंटे
दिनमान	11:34:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:13:09 कन्या
लग्न के अंश	20:43:40 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:43:40	323:33:02	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	28:13:09	00:59:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	19:41:33	11:57:28	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल			मिथु	12:50:36	00:20:22	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	14:10:52	00:30:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	22:39:28	00:10:25	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	12:24:23	00:52:50	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि			सिंह	11:03:31	00:05:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	11:56:26	00:06:25	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	11:56:26	00:06:25	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	21:25:35	00:01:46	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:21:02	00:00:31	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:43:12	00:01:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	20:21:20	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:03

लग्न-चलित

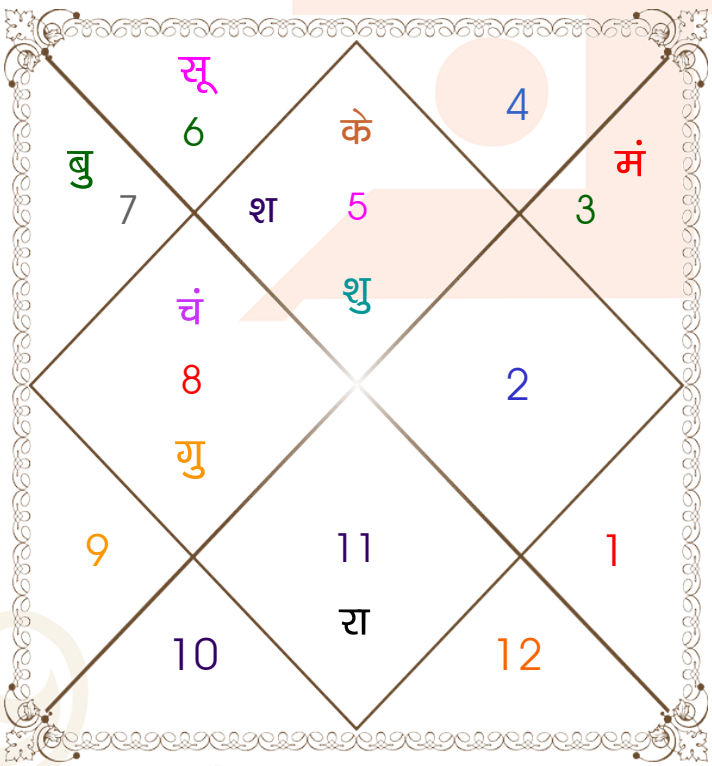

चन्द्र कुंडली

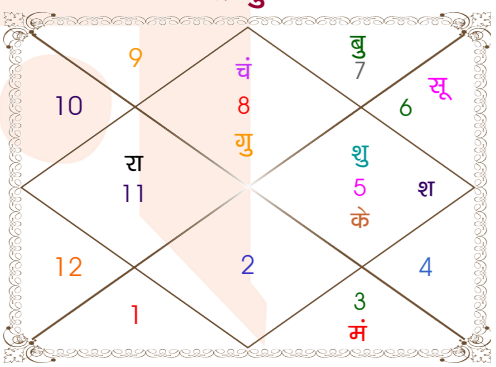

नवमांश कुंडली

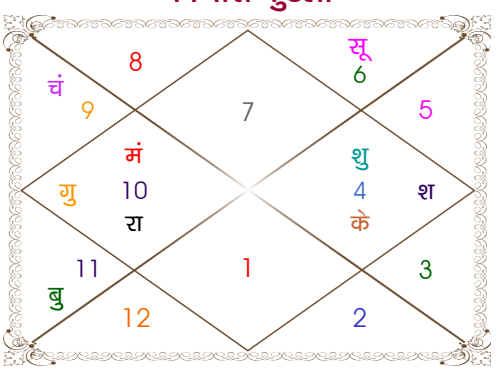

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 1 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/10/2007		06/12/2020		07/12/2027		07/12/2047		06/12/2053	
06/12/2020		07/12/2027		07/12/2047		06/12/2053		07/12/2063	
	00/00/0000	केतु	04/05/2021	शुक्र	07/04/2031	सूर्य	25/03/2048	चंद्र	06/10/2054
	16/10/2007	शुक्र	04/07/2022	सूर्य	06/04/2032	चंद्र	24/09/2048	मंगल	08/05/2055
शुक्र	01/03/2010	सूर्य	09/11/2022	चंद्र	06/12/2033	मंगल	30/01/2049	राहु	05/11/2056
सूर्य	06/01/2011	चंद्र	10/06/2023	मंगल	05/02/2035	राहु	24/12/2049	गुरु	07/03/2058
चंद्र	06/06/2012	मंगल	06/11/2023	राहु	05/02/2038	गुरु	13/10/2050	शनि	07/10/2059
मंगल	03/06/2013	राहु	24/11/2024	गुरु	06/10/2040	शनि	25/09/2051	बुध	07/03/2061
राहु	22/12/2015	गुरु	31/10/2025	शनि	07/12/2043	बुध	31/07/2052	केतु	06/10/2061
गुरु	29/03/2018	शनि	09/12/2026	बुध	06/10/2046	केतु	06/12/2052	शुक्र	07/06/2063
शनि	06/12/2020	बुध	07/12/2027	केतु	07/12/2047	शुक्र	06/12/2053	सूर्य	07/12/2063

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/12/2063		06/12/2070		06/12/2088		07/12/2104		08/12/2123	
06/12/2070		06/12/2088		07/12/2104		08/12/2123		00/00/0000	
मंगल	04/05/2064	राहु	18/08/2073	गुरु	24/01/2091	शनि	11/12/2107	बुध	05/05/2126
राहु	22/05/2065	गुरु	12/01/2076	शनि	06/08/2093	बुध	20/08/2110	केतु	02/05/2127
गुरु	28/04/2066	शनि	18/11/2078	बुध	12/11/2095	केतु	29/09/2111	शुक्र	17/10/2127
शनि	07/06/2067	बुध	06/06/2081	केतु	18/10/2096	शुक्र	28/11/2114		00/00/0000
बुध	03/06/2068	केतु	25/06/2082	शुक्र	19/06/2099	सूर्य	10/11/2115		00/00/0000
केतु	30/10/2068	शुक्र	25/06/2085	सूर्य	07/04/2100	चंद्र	10/06/2117		00/00/0000
शुक्र	30/12/2069	सूर्य	19/05/2086	चंद्र	07/08/2101	मंगल	20/07/2118		00/00/0000
सूर्य	07/05/2070	चंद्र	18/11/2087	मंगल	14/07/2102	राहु	26/05/2121		00/00/0000
चंद्र	06/12/2070	मंगल	06/12/2088	राहु	07/12/2104	गुरु	08/12/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 1 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।